दैनिक भास्कर
27/8/14

टोंक भास्कर

अविकानगर में भेड़ पालकों को बांटे उन्नत नस्ल के मेढ़े

मेगा शीप सीड परियोजना के तहत रेवड़ को आधुनिक बनाने की पहल

भास्कर न्यूज | मालपुरा

केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में मंगलवार को आस पास के भेड़ पालकों को संस्थान द्वारा विकसित मालपुरा नस्ल के उन्नत मेढ़ो का वितरण किया गया। अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के पूर्व उप महानिदेशक एवं कृषि व पशु विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर डॉ. एम. एल. मदन ने भेड़ पालकों को उन्नत मेढे प्रदान किए। डॉ. मदन ने इस अवसर पर संस्थान में विकसित नवीन तकनीकी का अवलोकन किया।

उन्होंने केंद्रीय ऊन विकास मंडल जोधपुर व समनव्यक भेड़ सुधार कार्यक्रम पर नेटवर्क परियोजना द्वारा चलाए जा रहे छह राज्यों के पशु चिकित्साधिकारियों के सात दिवसीय प्रशिक्षण के समापन समारोह में भी बतोर मुख्य अतिथि भाग लिया। डॉ.मदन ने इस अवसर पर कहा कि संस्थान में जो तकनीकें विकसित की गई है उन्हें किसानों तक पंहुचाना अत्यंत जरूरी है जिससे किसान इन्हें अपना कर ज्यादा से ज्यादा उत्पादन प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान में किसान की परिभाषा बदल कर पशु पालक हो गई है। इसलिए पशु पालकों को आगे बढ़ाना अविकानगर संस्थान का दायित्व है।

मालपुरा. केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में मंगलवार को पूर्व उपमहानिदेशक ने प्रशिक्षणार्थी पशुअधिकारयों को संबोधित किया

उन्होंने संस्थान में संचालित किए जा रहे मेगा शीप सीड परियोजना के अतर्गत विकसित किए गए उन्नत नस्ल के मेढे पशु पालकों को प्रदान कर अपने रेवड़ को आधुनिक रेवड के रुप में तैयार करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अविकानगर संस्थान निदेशक डॉ. एस.एम.के. नकवी ने संस्थान द्वारा विकसित विभिन्न नवीन तकनीकों की जानकारी दी।

उन्होंने संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा अर्जित भेड़ों के उत्पादन एवं पुनरूत्पादन पर किए जा रहे अनुसंधानों एवं भेड़ों में कृत्रिम गर्भाधान के तकनीक के सभी पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी।

27/8/2014

राजस्थान पत्रिका
27/8/14

राजस्थान पत्रिका
टोंक . बुधवार
27.08.2014

टोंक पत्रिका

केन्द्रीय भेड़ एवं अनुसंधान संस्थान › पशु चिकित्साधिकारियों के प्रशिक्षण का समापन

किसानों तक पहुंचाएं तकनीक

मालपुरा

jaipur@patrika.com

केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर का मंगलवार को वैज्ञानिक डॉ. एम. एल. मदन ने अवलोकन किया।

इस दौरान उन्होंने पशु चिकित्साधिकारियों के प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में भी शिरकत की। इसमें उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा अनुसधान कर जो तकनीक विकसित की गई है उनको किसानों तक पहुंचाना जरूरी है। वर्तमान में किसान की परिभाषा पशुपालक हो गई है। ऐसे में वैज्ञानिकों का दायित्व अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ गया है।

उन्होंने विभिन्न प्रदेशों से आए वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान का उपयोग अपने क्षेत्र में अवश्य करें। संस्थान निदेशक डॉ. एस. एम. के. नकवी ने कहा कि संस्थान द्वारा भेड़ों में मद समकालन एवं कृत्रिम गर्भाधान के क्षेत्र में किए गए अनुसंधानों से आज पशुपालकों को कई फायदा पहुंचा है। डॉ. थिरुमुरगन ने प्रशिक्षण शिविर की जानकारी दी। वैज्ञानिक विष्णु विनोद कदम ने कार्यक्रम का संचालन किया। वैज्ञानिक डॉ. मदन ने किसानों को भेड़ें भी वितरित की। समापन समारोह में कई प्रदेशों के प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी, तकनीकी अधिकारी एवं अनुसंधान सहायक उपस्थित थे।

मालपुरा के केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान में पशुपालकों को भेड़ सौंपते अतिथि।

मालपुरा
27/8/14